हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 156 देहरादून, मंगलवार, 12 दिसंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

टिहरी रिंगरोड से झील की खूबसूरती में लगेंगे चार चाँद : सतपाल महाराज 3

प्रान्तीय रक्षक दल के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने किये कई एलान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रान्तीय रक्षक दल के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रैतिक परेड में शामिल होकर रैतिक परेड का मान प्रणाम ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पीआरडी के घोषवाक्य 'अहमस्मि योधः' का लोकार्पण किया और पीआरडी स्वयं सेवकों के आश्रितों को सहायता राशि का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने सभी को प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पीआरडी. स्वयंसेवकों द्वारा रैतिक परेड में किए गए मार्च पास्ट का प्रदर्शन अत्यंत ही मनोहारी था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 05 घोषणाएं की। उन्होंने घोषणा की कि पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को प्रत्येक 02 वर्ष पर 01 गर्म वर्दी एवं 01 सामान्य वर्दी विभाग द्वारा दी जायेगी।

पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को प्रशिक्षण एवं पुर्नप्रशिक्षण के समय दी जानी वाली वर्दी की दर 1500 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए की जाएगी। सभी पंजीकृत डयूटी पर तैनात पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को होमगार्ड स्वयं सेवकों की भांति 200 रुपए प्रतिमाह ड्यूटी दिवस के अनुमानित में धुलाई भत्ता दिया जायेगा। विकासखण्ड स्तर पर तैनात ब्लाक कमाण्डर एवं न्याय पंचायत स्तर पर तैनात हलका सरदार का मासिक मानदेय क्रमशः 600 रुपए एवं 300 से बढ़ाकर प्रतिमाह 1000 रुपए एवं 500 रुपए किया जायेगा। आपदा बचाव कार्य में तैनात पी.आर.डी. स्वयं सेवकों को 50 रुपए प्रतिदिन की दर से अतिरिक्त मानदेय दिया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी स्वयंसेवक अपनी निरंतर सेवा और समर्पण भाव से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहयोग कर रहे हैं। सामाजिक सुरक्षा कार्य, आपदा प्रबंधन और यातायात व्यवस्था में पीआरडी द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पी.आर.डी. स्वयं सेवकों के हित में कई कदम उठाए हैं। पी.आर.डी. स्वयंसेवकों के मृतक आश्रितों के पंजीकरण हेतु शासनादेश जारी किया गया है। अभी तक 116 मृतक आश्रितों को पंजीकृत किया गया है, इनमें से 70 मृतकों के आश्रितों को रोजगार प्रदान किया गया है, जिसमें 25 महिलाएँ भी शामिल हैं।

प्रान्तीय रक्षक दल कल्याण कोष संशोधित नियमावली अगस्त 2023 में प्रख्यापित की गई है। जिसमें आर्थिक सहायता की धनराशि में वृद्धि करते हुए साम्प्रदायिक दंगो के दौरान ड्यूटी पर मृत्यु की दशा में देय एक लाख रुपए को बढ़ाकर 02 लाख किया गया है। इसके साथ ही अति संवेदनशील ड्यूटी में मृत्यु की दशा में देय 75 हजार रुपए को बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए किया गया है। सामान्य ड्यूटी के दौरान मृत्यु की दशा में देय 50 हजार को बढ़ाकर एक लाख रुपए किया गया है। प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान के लिए भी संबंधित अधिकारी की संस्तुति पर अधिकतम 50 हजार रुपए का प्राविधान किया गया है, जिससे सीधे तौर पर पीआरडी जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भी पीआरडी स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट कार्य किया। जिसके सम्मान में सरकार द्वारा 4651 पी.आर.डी. स्वयंसेवकों को पुरस्कार स्वरूप 6 हजार प्रति स्वयंसेवक प्रदान किये गए थे।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कहा पिछले दो वर्षों से प्रान्तीय रक्षक दल का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पीआरडी स्वयंसेवकों के लिए अनेक सुविधा देने के प्रयास किये गये हैं। राज्य की चारधाम यात्रा, कावंड़ और समय-समय पर आई आपदाओं में पीआडी स्वयं सेवकों द्वार अपने कार्यों के बल पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा 'काऊ' विशेष प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण अमित सिन्हा, निदेशक युवा कल्याण जितेन्द्र सोनकर एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

उत्तराखंड : पांच जिलों में बारिश-बर्फबारी का अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 12 दिसंबर : इन दिनों उत्तराखंड के ज्यादातर इलाकों में मौसम शुष्क बना हुआ है। कई दिनों की बारिश और बर्फबारी के बाद खिली धूप लोगों को राहत दे रही है। हालांकि सुबह और शाम ठंडक बनी हुई है। खासकर पहाड़ी इलाकों में लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। यहां बीते दिनों खूब बारिश और बर्फबारी हुई, जिसका असर अब तक महसूस किया जा रहा है। पहाड़ों में गिरी बर्फ के चलते निचले इलाकों में ठिठुरन बढ़ गई है। लोग ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों और अलाव का सहारा ले रहे हैं।

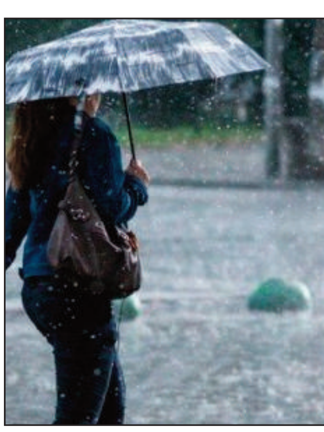

लेकिन राहत नहीं मिल रही। इस बीच मौसम विभाग ने आने वाले दिनों के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार 12 और 13 दिसंबर को मैदानी क्षेत्रों में कोहरे के चलते मुश्किलें बढ़ेंगी। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जैसे जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा। विजिबिलिटी कम होने के चलते वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लोगों को सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी गई है।

12 दिसंबर से प्रदेश के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। इस दौरान पांच जिलों में बारिश-बर्फबारी देखने को मिलेगी। इन जिलों में उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग और बागेश्वर जैसे जिले शामिल हैं। यहां 12 दिसंबर को बारिश हो सकती है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी से मुश्किलें बढ़ेंगी। बदलते मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के समग्र विकास हेतु लिए गए निर्णय पर सुप्रीम मुहर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय का जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के संबंध में दिया गया फैसला केन्द्र सरकार के देशहित एवं जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के समग्र विकास हेतु लिए गए निर्णय पर मुहर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का जो ऐतिहासिक कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा किया गया उसे आज माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी सही ठहराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस

ऐतिहासिक फैसले से जम्मू-कश्मीर के लोग देश की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे तथा राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही निवेश बढ़ेगा तथा राज्य के हर क्षेत्र में विकास के नए द्वार खुलेंगे।

ये है 'उड़ता महल', लग्जरी सुविधाएं देख चौंधिया जाएंगी आंखें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : बोइंग 747-8 दुनिया का सबसे बड़ा प्राइवेट जेट है, जिसे 'प्लाइंग मेंशन' यानी 'उड़ता महल' नाम दिया गया है. इसमें वो सब कुछ है, जो आपके सफर को अव्वल दर्जे का आरामदायक बनाता है. इसमें सुनहरी की सजावट वाले बेडरूम और शानदार बाथरूम हैं. इसकी ऐसी ही लग्जरी सुविधाओं को देख कर आपकी आंखें चौंधिया जाएंगी।

डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, यह काफी अच्छा विमान है. इसमें कई विशाल मीटिंग रूम्स और डाइनिंग रूम्स के साथ-साथ एक मास्टर सुइट (Master Suite) सहित कई बेडरूम हैं, जिनमें लोगों की सुविधाओं को देखते हुए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं. इन कमरों की सुंदरता देखते ही बनती है, जो यकीनन आपको बहुत पसंद आएंगे।

यात्रियों की नींद बेहतरीन रहे, विमान में खासतौर से इस बात का ख्याल रखा गया है. इसके अलावा विमान में स्टोरेज के लिए भी काफी जगह है, इसलिए यात्रियों को चीजों को कम पैकिंग कर ले जाने की टेंशन नहीं होगी. वे ज्यादा से ज्यादा सामान अपने साथ ले जा पाएंगे. बेडरूम में शीशों, लकड़ी और सुनहरी सजावट है. बाथरूम को भी इस तरह से डेकोरेट किया गया है। मास्टर बेडरूम से लिविंग एरिया तक एक सुनहरी सीढ़ियां जाती हैं, जो बुकशेल्फ़, दीवारों पर कलाकृति और लंबी दूरी की उड़ान पर आराम करने के लिए आलीशान सोफे से सुसज्जित हैं. एक अलग मीटिंग एरिया में 3 सोफे भी हैं, जो उड़ान के वक्त खेल या ड्रिंक्स के साथ आराम करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं. हालांकि, इसमें काफी जगह है और डिजाइन भी बहुत शानदार है। बोइंग 747-8 को पहली बार नवंबर 2005 में उड़ाया गया था. 224 फीट के पंखों के साथ, विशाल जेट एक समय में 467 यात्रियों को ले जा सकता है, जो रयानएयर विमान की क्षमता से दोगुने से

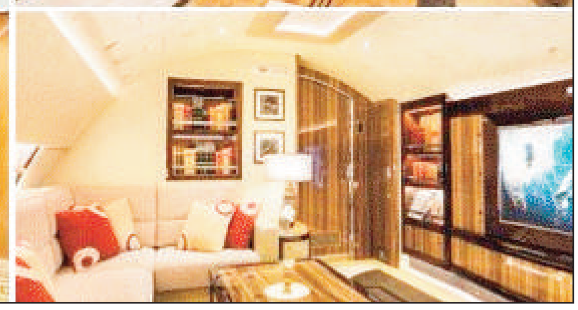

भी अधिक है. हालांकि, इस विमान में सफर करने के लिए आपको काफी बड़ी रकम चुकानी पड़ेगी. Simpleflying.com के अनुसार, बोइंग 747-8 विमान के मालिक रियल एस्टेट टाइकून जोसेफ लाउ हैं, जिनकी कुल संपत्ति £10.3 बिलियन से अधिक मानी जाती है।

अजब-गजब रीति रिवाज : यहां सिर्फ कुछ घंटो के लिए होती है शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : दुनिया में अलग-अलग जाति और समुदाय लोग निवास करते हैं। सभी की अपनी अलग-अलग संस्कृति, रीति रिवाज और मान्यताएं होती हैं। हर जगह पर रहन-सहन से लेकर शादी-ब्याह तक के अपने रीति-रिवाज होते हैं। जातियों और समुदायों में पालन किए जाने वाले रीति रिवाजों और मान्यताओं का अलग-अलग महत्व होता है। हालांकि दुनिया में पालन की जाने वाली कई परंपराओं के बारे में जानकर हैरानी होती है।

जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वो पूरा जीवन एक दूसरे का साथ निभाने की कसमें खाते हैं। हालांकि सबसे हैरानी वाली बात यह है कि दुनिया में एक ऐसी जगह है, जहां पर शादी सिर्फ घंटे के लिए होती है। भारत के पड़ोसी देश चीन के कुछ इलाकों में पुरुष सिर्फ 24 घंटे के लिए ही शादी करते हैं। यह जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा है, लेकिन यह पूरी

तरह सच है। आइए जानते हैं अनोखी शादी के बारे में.एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में गरीबी की वजह से जो लोग शादी के दौरान लड़की को तोहफे और पैसे नहीं दे पाते, उनकी शादी ही नहीं होती है। इसकी वजह से वह एक अनोखी शादी करते हैं। इससे वह सिर्फ शादीशुदा कहलाते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के हुबेई प्रोविंस में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे यानी एक दिन की शादी का चलन है। यहां कुछ लड़कों की गरीबी की वजह से शादी नहीं हो पाती है, तो मरने से पहले सिर्फ नाम के लिए शादी करते हैं। बीते 6 सालों में यह चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी शादी कराने वाले शख्स ने बताया कि उनके पास कई पेशेवर दुल्हनें हैं, जो 40 हजार रुपये लेती हैं और शादी करती हैं। यह ज्यादातर बाहर की लड़कियां होती हैं और उन्हें पैसे की जरूरत होती है

हुबेई के ग्रामीण क्षेत्र में माना जाता है कि इंसान को मौत के बाद फैमिली ग्रेवयार्ड में शादीशुदा होने पर ही दफनाया जाएगा। इसलिए गरीब पुरुष शादी करने के बाद अपने पुश्तैनी कब्रगाह पर दुल्हन को लेकर जाते हैं। वहां पर वह पूर्वजों को बताते हैं कि उनकी शादी हो चुकी है। ऐसा करने का बाद उस शख्स की जगह पक्की हो जाती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि चीन में किराए पर गर्लफ्रेंड, ब्वॉयफ्रेंड यहां तक कि माता-पिता भी मिलते हैं।

छोटे बच्चों में होने वाला खतरनाक कैंसर है रेटिनोब्लास्टोमा, ये हैं इसके लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : आँख के कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल मई के दूसरे सप्ताह में विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। तो इस साल 14 मई से 20 मई तक रेटिनोब्लास्टोमा अवेयरनेस वीक मनाया जा रहा है। इस बारे में जानकारी होना जरूरी है कि 5 साल से कम उम्र के बच्चों में व्हाइट रिफ्लेक्स होना कैंसर का संकेत हो सकता है। अगर इसका पता जल्द लगाया जाए तो ऐसे बच्चे जिन्दा रह सकेंगे।

रेटिनोब्लास्टोमा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बचपन में होने वाला सबसे नॉर्मल आई कैंसर है। इससे एक या दोनों आंखों पर असर पड़ सकता है। 20-30% मामले वंशानुगत होते हैं जिसका मतलब है कि यह एक पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी से विरासत में मिलता है और बाकी मामले छिटपुट प्रकृति के होते हैं। पूरी दुनिया में हर साल 4000-5000 इसके नए मामले सामने आते हैं जिनमें से 1500-2000 मामले भारत से होते हैं इसलिए जरूरी हो जाता है कि इस कैंसर के बारे में और उसके उपचार को जानना।

ल्यूकेमिया या हड्डी के कैंसर जैसे बचपन

में होने वाले अन्य प्रकार के ट्यूमर्स की तुलना में अगर इस कैंसर का पता जल्द लग जाए और शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने से पहले इसका इलाज हो जाए तो इससे इसका उपचार संभव है। लेकिन जागरूकता की कमी, निदान और उपचार में देरी की वजह से यह गंभीर होता जाता है। इसलिए इस कैंसर के शुरुआती लक्षणों और संकेतों के बारे में माता-पिता, दादा-दादी समेत स्वास्थ्य कर्मचारियों में भी जागरूकता फैलाना जरूरी है। लक्षणों को पहचानते हुए उचित इलाज से इसे गंभीर होने से काफी हद तक रोका जा सकता है और बच्चे की आंखों और जीवन को बचाया जा सकता है।

इन लक्षणों पर दें ध्यानचूंकि रेटिनोब्लास्टोमा ज्यादातर बच्चों में होता है इसलिए इसके लक्षण स्पष्ट नज़र नहीं आते हैं और शुरुआत में तो बिल्कुल ही पता नहीं चलते। इसके लक्षणों में कम नज़र आना, आंखें लाल पड़ना, आंखों में दर्द, सूजन और कभी-कभी नेत्रगोलक का बाहर की ओर निकलना (प्रॉपटोसिस) भी शामिल हो सकता है।

इस देश में की जाती है अपराधियों की पूजा, चढ़ावे में अर्पित की जाती है शराब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : ऐसा कोई भी नहीं होगा जिन्हें अपराधियों से दूरी बना कर रहना पसंद नहीं हो। समाज ऐसे लोगों से ना ही कोई रिश्ता रखना चाहता है और ना ही इन्हें अपने घर में आने की इजाजत देता है। लेकिन हमारे इसी समाज में एक ऐसा देश है जो इन अपराधियों की पूजा करता है। यहां के लोग अपराधियों को भगवान के तरह पूजते हैं। आपको यह सब सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा लेकिन यही सच्चाई है।दरअसल लैटिन अमेरिका के वेनेजुएला में लोग अपराधियों की पूजा करते हैं।

यहां के लोग इस दुनिया से गुजर चुके अपराधियों की मूर्ति बनाकर उन्हें पूजते हैं। स्पेनिश भाषा में इन अपराधी देवताओं को सैंटोस मैलेंड्रोस कहते हैं। पहले के समय के सभी बदनाम अपराधियों के छोटी-छोटी मूर्तियों को एक जगह पर रखा गया है जिसके दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। आइए जानते हैं आखिर इन अपराधियों की पूजा क्यों की जाती है। वेनेजुएला में जनता के बीच इन अपराधियों की छवि रॉबिनहुड वाली रही है। ये सभी अपराधी अमीर लोगों की दौलत लूटकर गरीब लोगों के बीच बांट देते थे। यहां के लोग इन अपराधियों की पूजा इसलिए करते हैं क्योंकि इन्होंने किसी की किसी की हत्या नहीं की। सिर्फ अमीरों को लूटा और गरीबों पर लुटाया।स्थानीय लोगों का मानना है कि मैलेंड्रो ने अच्छा काम किया है जिसके लिए इन्हें कुछ इनाम दिया जाना चाहिए।

अगर इनकी पूजा-अर्चना नहीं की जाएगी तो ये हमसे खफा हो जाएंगें। जिस तरह से हमारे भारत में किसी मन्नत के पूरा होने पर चढ़ावा चढ़ाया जाता है ठीक उसी तरह वेनेजुएला के सैंटोस मैलेंड्रोज को भी चढ़ावा चढ़ाया जाता है।अगर वेनेजुएला में कोई इंसान किसी बात से परेशान है, तो वो मैलेंड्रो से मन्नत मांगता है। काम हो जाने के बाद इन सैंटोस मैलेंड्रो को चढ़ावा में शराब चढ़ाया जाता है। लोगों की मान्यता है कि ये खुश होकर उन्हें वरदान देते हैं और उनका काम बन जाता है। हां लोग इस बात की सलाह देते हैं कि इन अपराधियों को चढ़ावे में ज्यादा शराब नहीं दी जानी चाहिए। वरना, ये काम छोड़कर जश्न मनाने में मशगूल हो जाएंगे। बेहतर होगा कि इन्हें चखने भर के लिए बीयर दी जाए, ताकि लोगों का काम भी बन सके।

टिहरी रिंगरोड से झील की खूबसूरती में लगेंगे चार चाँद : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 दिसंबर , प्रदेश के पर्यटन,लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की नियमावलियों पर चर्चा के साथ-साथ संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक और टिहरी झील प्रोजेक्ट की अभी तक की प्रगति की समीक्षा की गई।

राजकीय मेलों को मिलने वाले अनुदान के शीघ्र भुगतान के निर्देश

प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज की अध्यक्षता में गढ़ी कैण्ट स्थित पर्यटन विकास परिषद में श्री बद्रीनाथ-श्री केदारनाथ मंदिर समिति की नियमावलियों पर चर्चा करने के साथ-साथ संस्कृति विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करने के अलावा टिहरी झील प्रोजेक्ट की अभी तक की प्रगति की समीक्षा सहित तीन-तीन बैठकें कर अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से गुणवत्तायुक्त कार्य करने के निर्देश दिये।

उन्होंने सर्वप्रथम श्री बद्रीनाथ-श्री केदारनाथ मंदिर समिति की बैठक में प्रस्तावित कर्मचारी सेवा नियमावली पर चर्चा करने के साथ-साथ मंदिर समिति में कार्यरत हक-हकूकधारियों, डिमरी, पुजारीगण, समालिया, भण्डारी आदि पदों के संबंध में विचार किया गया।

श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की बैठक के पश्चात संस्कृति मंत्री श्री महाराज ने अधिकारियों को संस्कृति विभाग में कलाकारों के लम्बित भुगतानों को शीघ्र करने और राजकीय मेलों को मिलने वाले अनुदान का भुगतान किए जाने के भी निर्देश दिए। पर्यटन मंत्री महाराज ने 7708.27 करोड की लागत से टिहरी झील के चारों ओर रिंगरोड हेतु फिजीबिलिटी, संरेखण, सर्वेक्षण, भूमि अधिग्रहण की अभी तक की प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक के पश्चात महाराज ने बताया कि टिहरी जलाशय के 42 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में चारों ओर सम मोटर मार्ग के निर्माण और मूलभूत सुविधाओं के विकास हेतु 234.60 किमी रिंगरोड हेतु 214.60 किमी भूमि जिसकी अनुमानित लागत 124.96 करोड़ है का निर्माण किया जाएगा। जिससे जनपद के 173 गांव की लगभग 84000 आबादी प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होगी। साथ ही चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्री भी इस रिंग रोड का मुख्य व वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित रिंग रोड के निर्माण से टिहरी बांध जलाशय में जहां ढिशुम विधि से आने वाले पर्यटक ओके लिए आसानी होगी वहीं वर्ष भर जल किरण तथा साहसिक खेलों का आयोजन संभव हो पाएगा और सरकार को भी राजस्व की प्राप्ति होगी। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि वर्तमान में फीजिबिलिटी सर्वेक्षण हेतु अनुबंध गठित का सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है परियोजना के कोठी से डोगरा चांटी सेतु तक के भाग पर उत्तराखंड पर्यटन निदेशालय देहरादून के द्वारा डीपीआर तैयार करने की कार्यवाही चल रही है।

बैठक में बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय, एसीओ पर्यटन युगल किशोर पंत, संस्कृति एवं धर्मस्व अनुभाग अधिकारी नीरज मल, वित्त नियंत्रक पर्यटन जगत सिंह चौहान, संस्कृति निदेशक बीना भट्ट, वीडी सिंह, रमेश रावत और योगम्बर सिंह आदि मौजूद थे।

धारा 370 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भाजपा महानगर ने मनाया जश्न

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 दिसंबरः भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय में महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के नेतृत्व में युवा मोर्चा द्वारा माननीय सर्वोच्च उच्च न्यायालय में आर्टिकल 370 के विरोध में विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुये सुप्रीम कोर्ट नें एक अहम फैसला करते हुये कहा की केन्द्र सरकार द्वारा धारा 370 हटाने का फैसला संवैधानिक तौर पर सही है। इस पर महानगर युवा मोर्चा के द्वारा आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरण किया गया। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल नें सुप्रीम कोर्ट के इस अहम निर्णय पर खुशी जाहिर करते हुये कहा की यह निर्णय देश की अखण्डता और एकता को बनाये रखने के लिये जो समाज को एक नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इस शुभ अवसर पर महानगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ढिल्लों, संतोष सेमवाल, सुनील शर्मा, महानगर महामंत्री सुरेन्द्र राणा, विजेन्द्र थपलियाल, संदीप मुखर्जी, राजेश काम्बोज, संकेत नौटियाल, उमा नरेश तिवारी, प्रदीप कुमार, अक्षत जैन, विपिन खण्डूरी, रंजीत सेमवाल, सूरज चंद, महानगर अध्यक्ष युवा मोर्चा देवेन्द्र बिष्ट, तरूण जैन, पारस गोयल, उत्कर्ष गुप्ता, हन्नी सूद, सिद्धार्थ सिंह, सुजीत थापा, राघव धीमान, मण्डल अध्यक्ष विनय गुप्ता, नितिन मिश्रा, चन्द्र सागर उनियाल, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम अध्यक्षता में हुआ जनसुनवाई का आयोजन, 86 शिकायतें प्राप्त

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में आज 86 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें अधिकतर शिकायतें भूमि सम्बन्धित प्राप्त हुई, इसके अतिरिक्त जल संस्थान, आपसी विवाद, समाज कल्याण, पीएमजीएसवाई, आय प्रमाण पत्र बनवाने, शिक्षा, एमडीडीए,पीएमजीएसवाई, लद्यु सिंचाई, विद्युत आदि शिकायतें प्राप्त हुई। जनसुनवाई में एक प्रकरण हरिद्वार से सम्बन्धित प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने दूरभाष पर जिलाधिकारी हरिद्वार से वार्ता करते हुए सम्बन्धित शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण करने का अनुरोध किया।

जनसुनवाई में डांडा लखौण्ड में भूमि अतिक्रमण, अवैध कब्जे की अधिक शिकायत आने पर तहसीलदार सदर को को स्थलीय निरीक्षा करते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में एक शिकायतकर्ता द्वारा सुद्धोवाला में स्वामित्व में नाम अंकित न होने की शिकायत पर तहसीलदार विकासनगर को आज ही रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा यदि निस्तारण उच्च स्तर पर होना हो तो सम्बन्धित को पत्राचार करने के निर्देश दिए। साथ ही विकासनर क्षेत्रान्तर्गत ठाकुरपुर में भूमाफियाओं द्वारा रास्ता बन्द करने, झाझरा में भूमि सम्बन्धी प्रकरणों, दाखिल खारिज न होने, सेवालाकला में सीमांकन न होने की शिकायतों पर को समयान्तर्गत निस्तारण के निर्देश दिए। इसी प्रकार बरसात शिकायतकर्ता ने खडक़माफ क्षेत्र में भारी वर्षा में मकान क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजा न मिलने की शिकायत पर उप जिलाधिकारी ऋषिकेश को दूरभाष पर कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम अशोई चकराता में जलसंस्थान द्वारा कराये गए कार्यों में गुणवत्ता न होने की शिकायत पर मुख्य विकास अधिकारी को जांच करवाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी झरना कमठान, अपर मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम बीर सिंह बुदियाल, पुलिस अधीक्षक क्राइम मिथिलेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, उप जिलाधिकारी युक्ता मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ विद्याधर कापड़ी, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ मीनाक्षी जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी के.के अग्रवाल, जिला पूर्ति अधिकारी विद्याधर कापड़ी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अरविन्द पाण्डेय, तहसीलदार सदर, एमडीडीए, सिंचाई सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस देश में पतला नहीं मोटा होने के लिए लड़कियां करती हैं ज्यादा प्रयास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : ज्यादातर लड़कियां पतली होने के लिए तरह-तरह के प्रयास करती हैं, लेकिन दुनिया में एक देश ऐसा भी है जहां न केवल मोटी लड़कियों को पसंद किया जाता है बल्कि लड़कियां मोटी होने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी करती हैं। इस देश में मोटी लड़कियों को भी भाग्यशाली माना जाता है।आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस देश में लड़के भी शादी के लिए पतली नहीं बल्कि मोटी लड़कियों की तलाश में रहते हैं। इस देश का नाम है मॉरीशस. मॉरीशस के लोग मोटी लड़कियों से शादी करना पसंद करते हैं। क्योंकि यहां मोटी लड़कियों को भी भाग्यशाली माना जाता है। अच्छी बात यह है कि यहां की लड़कियां वजन कम करने के लिए किसी जिम या व्यायामशाला में नहीं जातीं।

मॉरीशस में लड़कियां खाने-पीने पर पूरा ध्यान देती हैं। इससे वे मोटे हो सकते हैं। मॉरीशस में अगर शादी के समय किसी लड़की का वजन अधिक हो तो उसके ससुराल वाले बहुत खुश होते हैं। यहां लड़की का अधिक वजन होना अच्छा माना जाता है। अगर लड़की पतली है तो उसे शादी तक खूब खाने-पीने की सलाह दी जाती है।

जिससे उनका वजन बढ़ सके .इसके अलावा लड़कों को शादी के लिए स्वस्थ लड़की चुनने की भी सलाह दी जाती है। मॉरीशस में शादी के अन्य रीति-रिवाजों और परंपराओं के साथ, यह माना जाता है कि अगर लड़की का वजन अधिक है, तो यह खुशी और भाग्य लाएगी। यहां के लोग अपनी बेटियों को डाइटिंग और वजन कम करने से हतोत्साहित करते हैं।जिस लड़की का वजन कम हो जाता है उसे शादी में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए उन्हें खूब खाने-पीने की सख्त हिदायत दी जाती है। लड़कों से कहा जाता है कि वे शादी के बाद अपनी पत्नी को अच्छा खाना खिलाएं ताकि उनके परिवार में खुशियां और सौभाग्य आए। यदि पत्नी का वजन अधिक है, तो परिवार में अधिक भाग्य होता है।

मानव शरीर की ये 10 रोचक बातें हैरान कर देंगी आपको

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : मानव शरीर ईश्वर की एक सुंदर रहस्यमयी संरचना है, जिस पर प्रतिदिन शोध कर के इसके नए नए पहलू सामने आते रहते हैं। इसकी कई बातें चौंका देती हैं तो कई गोपनीय जानकारियां सोचने पर मजबूर कर देती हैं। इसके सभी अंग अपने आप में अद्भुत हैं जिनकी पूरी तरह से विस्तृत जानकारी अभी भी नहीं मिल सकी है।

आइए जानते हैं इस मानव शरीर की 10 अद्भुत बातें प्रेगनेंसी में बच्चे करते हैं मां का बचावः प्रेगनेंसी के दौरान फीटो मेटरनल माइक्रो चिमेरिज्म नाम की एक सुंदर प्रक्रिया होती है जिसमें जब मां को चोट लगती है तो गर्भ में पल रहा बच्चा मां की चोट को ठीक करने के लिए स्टेम सेल भेजता है।इंसान के मुंह में हर दिन 720 मिलीलीटर से लेकर 1.5 लीटर लार बनती है।पुरुषों में दाढ़ी के बाल सबसे तेजी से बढ़ते हैं। अगर कोई पुरुष पूरे जीवनकाल में शेविंग न करे तो उसकी दाढ़ी 30 फुट लंबी हो सकती है।जब हम छींकते हैं, तो आंखों को खोलकर रखना नामुमकिन होता है, क्योंकि मस्तिष्क छींकते समय आंखें बंद करने के सिग्नल भेजता है और एक छींक 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आती है।भोजन को मुंह से पेट तक पहुंचने में केवल 7 सेकंड का समय लगता है। वहीं, पेय पदार्थ को मात्र 1 या 2 सेकंड लगते हैं।शरीर के कुल कैल्शियम का 99 प्रतिशत से अधिक दांतों और हड्डियों में पाया जाता है।एक वयस्क मानव के लिए केवल एक कदम उठाने से 200 मांसपेशियों का उपयोग होता है। इस हिसाब से अपने दस हजार कदम उठाने में आप अपनी मांसपेशियों से कितना काम लेते हैं इसका अंदाजा आप खुद लगा लें।आपके थूक में आपका पूरा आनुवंशिक ब्लूप्रिंट होता है। आपके लार में मुंह की कोशिकाओं का डीएनए होता है जिससे सभी आनुवांशिक जानकारी मिल सकती है।आर्टिकुलरिस ऑक्यूपाई जो आंखों को झपकाती हैं, मनुष्य के शरीर में सबसे तेज़ मांसपेशियां होती हैं। वे एक सेकंड के 100वें हिस्से से कम में अपना काम करती हैं। सिर्फ एक दिन में, कोई व्यक्ति 20,000 बार अपनी आंखें झपका सकता है।सबसे अधिक हार्ट अटैक सोमवार के दिन आते हैं। ऐसा सोमवार को काम करने के प्रेशर के कारण हो सकता है।

10 रुपये का ये नोट बना सकता है आपको लखपति, बस करना होगा ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 : दोस्तों हमारे में से बहुत कुछ लोग ऐसे है जिनको पुरानी चीज़े रखने का बहुत ज्यादा शोक होता है , लेकिन कई बार ये शोक आदमी के फायदे का सोदा भी बन जाता है . पहले का जमाने में 10 पैसे और 20 पैसे चलते थे लेकिन उनकी आज कोई वैल्यू नहीं है लेकिन कुछ पुराने नोटों में ऐसी खासियत है की वो लाखो कमा कर दे सकते है . यदि आपके पास पुराना 10 का नोट है तो दोस्तों खुश हो जाये आप इस नोट के जरिये लाखों रुपये कमा सकते है . लेकिन इस नोट में कुछ खासियत होनी चाइये , तो चलिए आपको बताते है वो क्या होनी चाहिए.

देखिये कोई भी आम नोट के लिए कुछ भी पैसा नहीं देंगा लेकिन अगर आप ये जानना चाहते है की वो क्या खासियत है तो दोस्तों आपको बता दे की उस 10 के नोट में 786 लिखा होना जरूरी है . साथ में ये नोट है जो काले रंग में आता है और उसमे नाव की तस्वीर छपी होनी जरूरी है . क्योकि इस प्रकार के नोट स्पेशल केटेगरी में आते है और रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया इस नंबर का सिर्फ एक नोट ही जारी करती है इसलिए ये नोट ख़ास हो जाता है . आज के युग में कोई भी चीज असभव ही नहीं रह गयी है क्योकि आज का समय डिजिटल जमाना है , बहुत

से ऑनलाइन प्लेटफार्म ऐसे है जहा पर हम इस नोट को बेच सकते है . इसलिए लिए हमे उस प्लेटफार्म पर जा कर उस 10 के नोट की तस्वीर और सब डिटेल फिल करनी होगी . जैसे ही खरीदार इसको देखेंगा वो आपसे संपर्क कर लेगा और बता देगा की इस नोट के में आपको इतने रुपये दे सकते हु .अब आपके दिमाग में ये आ रहा होगा की वो कोन कोन सी वेबसाइट है जहा पर हम इस नोट को बेच सकते है तो आपको बता दे की फ्लिप्कार्ट , अमेज़न सब जगह आप बेच सकते है . इसलिए आप कोई भी पुरानी चीज़ फेकने से पहले 10 बार सोचना और अपने पास इकठा करना .

यात्री विमानों का कलर हमेशा सफेद ही क्यों होता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 दिसंबर , प्रतिदिन हजारों लोग एरोप्लेन से सफर करते हैं। इस दौरान कम ही लोगों ने सोचा होगा कि हवाई जहाज का कलर सफेद क्यों होता है। अक्सर हम देखते हैं कि ज्यादातर एयर लाइन अपने विमानों को सफेद कलर ही देती हैं। इसके पीछे क्या वजह है आज की इस स्टोरी जानेंगे। दरअसल, सफेद रंग सूरज की रोशनी या उसके ताप को परावर्तित कर देता है। आपने नोटिस किया होगा कि गर्मी के दिनों में लोग सफेद कलर का कपड़ा पहन कर निकलते हैं।

ये है प्रमुख वजह

काला या फिर कोई भी दूसरा रंग सफेद की तुलना में प्रकाश को कम परावर्तित करता है। सेम यही लॉजिक प्लेन में भी काम करता है। सफेद रंग का हवाई जहाज उस पर पड़ने वाली अधिकतर सूर्य की किरणों को परावर्तित कर देता है। इससे जहाज गर्म कम होता है और तापमान नियंत्रित रहता है।

आसानी से डेंट दिखाई देता है

हवाई जहाज बहुत ही संवेदनशील होता है। अगर इसमें थोड़ी सी भी समस्या आ जाती है तो इसके नतीजे बेहद खतरनाक हो सकते हैं। ऐसे में हवाई जहाज में होने वाली छोटी से छोटी टूट-फूट या डेंट के बारे में पता लगाना और उसे ठीक करना बेहद जरूरी हो जाता है। अन्य कलर की अपेक्षा सफेद रंग पर आसानी

से डेंट दिखाई दे जाता है। यह भी एक बड़ा कारण है कि कंपनियां हवाई जहाज तैयार करते वक्त सफेद रंग को वरीयता देती है।

विजिबिलिटी होता है क्लियर

सफेद रंग को सबसे हल्का रंग कहा जाता है। यही कारण है कि इसे अन्य रंगों की तुलना में अधिक तवज्जो दी जाती है। इसके अलावा इसकी विजिबिलिटी भी क्लियर होती है। अंधेरे में भी यह रंग आसानी से दिखाई दे जाता है। यह किसी आसमानी दुर्घटना के होने की संभावना को कम कर देता है। सफेद रंग की एक खासियत आपने भी नोटिस की होगी कि यह कभी फीका नहीं पड़ता है।

जापानी तकनीक हैडीप ब्रिथिंग जो कम करती है वेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 दिसंबर , गहरी सांस लेना कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करता है, लेकिन अब एक नई बात सामने आई है कि डीप ब्रिथिंग वेट भी कम करती है. गहरी सांस लेने की ये जापानी तकनीक है जो वजन घटाने का दावा करती है. वजन घटाने के लिए समर्पण और समय की आवश्यकता होती है. लेकिन कभी-कभी, हम पेट की चर्बी को कम करने के त्वरित तरीके खोजते हैं. हालांकि तेजी से वजन घटाने के कई तरीके हैं, लेकिन इसे बनाए रखना एक चुनौती हो सकती है. हाल ही में जापानी गहरी सांस लेने का एक नया चलन एक बार फिर से हवा में है. वजन घटाने के लिए 2 मिनट की सांस लेने की तकनीक को जापान में ₹रयोसुके लॉन्ग ब्रीथ डाइटर₹ के रूप में भी जाना जाता है. इसमे एक विशिष्ट तरीकेसे खड़े होकर सांस को होल्ड करना होता है.

जानिए कैसे इस तकनीक को अपना कर आप वजन कम कर सकते हैं:

सीधे खड़े रहें: एक पैर आगे और दूसरा पैर पीछे रखकर सीधे खड़े रहें. अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई से अलग रखें.

अपने ग्लूट्स को संलग्न करें: अपने ग्लूट्स को निचोड़ें और अपने शरीर के पूरे वजन को पिछले पैर पर स्थानांतरित करें.

ऊपर पहुंचें: अपनी हाथ को अपने सिर के ऊपर सीधा ऊपर उठाएं, अपनी हथेलियां एक-दूसरे के सामने रखें.

धीरे-धीरे सांस लें: अपने पेट को हवा से भरने पर ध्यान केंद्रित करते हुए 3 सेकंड के लिए धीरे-धीरे सांस लें.

जोर से सांस छोड़ें: जोर से सांस छोड़ें, अपने पेट की मांसपेशियों को सिकोड़ें और ₹हूश₹ ध्वनि बनाएं.

यह काम करता है या नहीं ?

वजन घटाने के लिए रयोसुके लॉन्ग ब्रीथ डाइट की प्रभावशीलता पर अभी भी बहस चल रही है. हालांकि कुछ अध्ययनों ने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं. सांस लेने की तकनीक के कुछ और लाभ हो सकते हैं जैसे:

ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि: गहरी, मजबूरन सांस लेने से ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ सकती है, जो संभावित रूप से चयापचय को बढ़ावा दे सकती है और अधिक कैलोरी जला सकती है.

बेहतर पाचन: सांस लेने की तकनीक पैरासिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र को भी सक्रिय कर सकती है, जो विश्राम और पाचन के लिए जिम्मेदार है. इससे संभावित रूप से आंत के

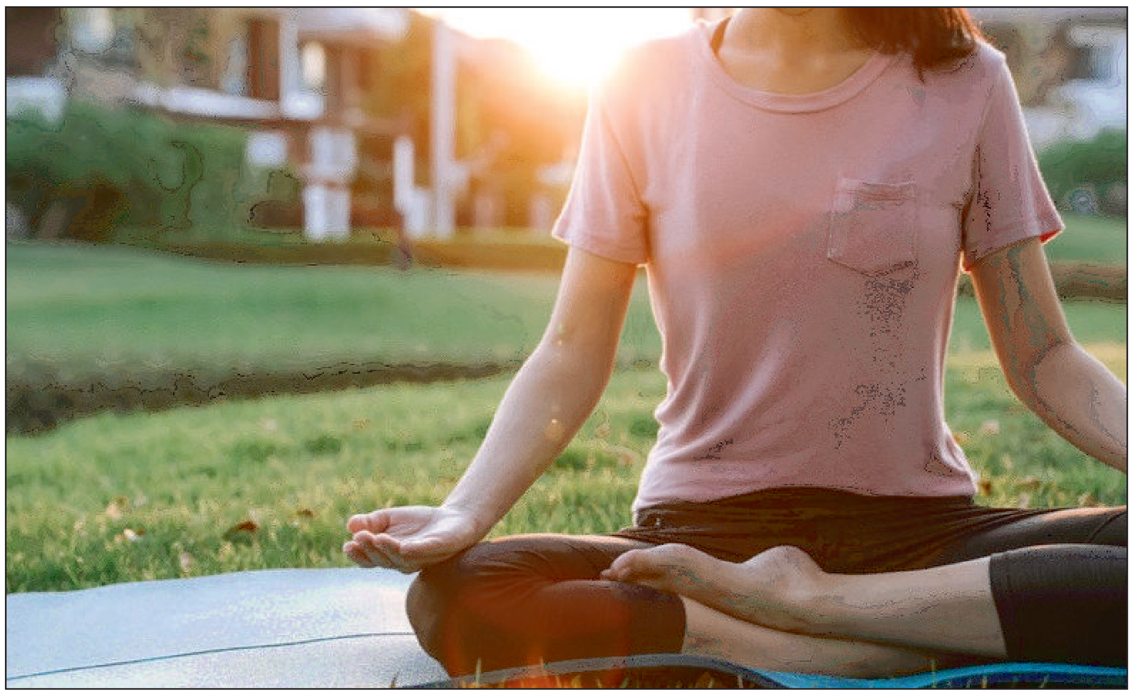

स्वास्थ्य और पाचन में सुधार हो सकता है.

तनाव में कमी: केंद्रित श्वास तनाव को कम करने में भी मदद कर सकता है, जो वजन बढ़ाने में योगदान कर सकता है.सर्वोत्तम परिणामों के लिए इसे स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम के साथ जोड़ा जाना चाहिए. कुल मिलाकर, रयोसुके लॉन्ग ब्रीथ डाइट वजन घटाने के लिए एक सुरक्षित और संभावित रूप से फायदेमंद तकनीक हो सकती है.

निपटा लें ये 5 काम, निकल गया साल तो अफसोस करेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 दिसंबर , साल 2023 का आखिरी महीना दिसंबर शुरू हो गया है. साल के आखिरी महीने में तमाम ऐसे काम भी हैं जो आपको हर हाल में निपटा लेने चाहिए क्योंकि इनकी डेडलाइन दिसंबर के महीने में ही तय की गई है. अगर मियाद खत्म होने से पहले आपने ये काम पूरे नहीं किए तो बड़ा नुकसान हो सकता है. यहां जान लीजिए इनके बारे में.

बैंक लॉकर

अगर आपने 31 दिसंबर 2023 या उससे पहले अपडेटेड बैंक लॉकर एग्रीमेंट सबमिट कर दिया है तो आपको एक बार फिर से अपडेटेड बैंक लॉकर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने और इसे जमा करने की जरूरत पड़ सकती है. आरबीआई ने रिवाइज्ड लॉकर एग्रीमेंट को सिलसिलेवार तरीके से लागू करने के लिए 31 दिसंबर, 2023 की आखिरी तारीख तय की है.

NPCI (National Payment Corporation of India) ने एक सर्कुलर जारी कर थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स से कहा कि वो ऐसी यूपीआई आईडीज़ को डीएक्टिवेट करें, जिन्होंने एक साल से अपनी आईडी से कोई ट्रांजैक्शन नहीं किया है. 31 दिसंबर तक ऐसे इनएक्टिव कस्टमर्स की यूपीआई आईडी को डीएक्टिवेट कर दिया जाएगा.

हालांकि एनपीसीआई की तरफ से यह भी कहा गया है कि ऐसे निष्क्रिय खातों को फिर से शुरू किया जा सकता है लेकिन इसके लिए कम से कम एक बार ट्रांजैक्शन करना जरूरी है. एनपीसीआई एक सरकारी संस्था है जो देश में रिटेल पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम देखती है. NPCI ही UPI पेमेंट सिस्टम को रेगुलेट करता है.

म्यूचुअल फंड्स

अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं और आपन अब तक नॉमिनी नहीं बनाया है तो ये काम भी आपको 31 दिसंबर 2023 से पहले पूरा कर लेना चाहिए, वरना म्यूचुअल फंड अकाउंट फ्रीज हो जाएगा और आप निवेश को भुना नहीं सकेंगे. डीमैट अकाउंट होल्डर के लिए भी ऐसा करना जरूरी है.

नॉमिनी बनाने की सुविधा होने के बाद भी तमाम लोग इसे इतना महत्वपूर्ण नहीं मानते हैं और अनदेखा कर देते हैं. जबकि आपके बाद परिवार को सुरक्षित करने के लिए नॉमिनी होना बहुत जरूरी है. इसलिए इसके लिए मियाद 31 दिसंबर तय की गई है.

आधार कार्डअगर आप अपने आधार कार्ड को अपडेट कराना चाहते हैं, तो 14 दिसंबर तक करवा सकते हैं. इस दौरान आपको आधार अपडेट के लिए किसी तरह की फीस वगैरह नहीं देनी होगी. इसके बाद आपको चार्ज का भुगतान करना होगा.

यदि आप ऑफलाइन अपडेट करते हैं तो इसके लिए अभी भी आपको चार्ज का भुगतान करना होगा. बता दें कि सरकार ने कहा है कि अगर आपका भी 10 साल पुराना आधार कार्ड है तो आपको अपना आधार अपडेट करा लेना चाहिए.

SBI अमृत कलश योजना

अगर आप SBI की खास एफडी स्कीम अमृत कलश का फायदा लेना चाहते हैं तो आपको इसमें 31 दिसंबर तक हर हाल में निवेश करना होगा. 400 दिनों में मैच्योर होने वाली इस खास स्कीम में 7.10 फीसदी के हिसाब से ब्याज मिल रहा है. इस स्कीम की डेडलाइन 31 दिसंबर तय की गई है.

कहीं नकली पानी तो नहीं पी रहे हैं आप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 दिसंबर : पहले के समय में हर कुछ प्राकृतिक होता था. लोगों को प्यास लगती थी तो बड़े आराम से किसी नदी या कुएं का पानी पी लेते थे. लेकिन समय के साथ इंसान ने तरक्की के नाम पर काफी प्रदूषण फैला दिया. इसका नतीजा हुआ कि नदी-नाले का पानी दूषित हो गया. अब तो घर पर आने वाला पीने का पानी भी पूरी तरह से सुरक्षित नहीं माना जाता. हर घर में आरओ लगाए जाने के बाद भी दूषित पानी की समस्या देखने को मिल रही है.पहले बाहर जाते वक्त लोग घर से ही अपने लिए पीने का पानी लेकर जाते थे. लेकिन अब पैकेज्ड वाटर काफी पॉपुलर हो गया है. आप दस या बीस रुपए में एक लीटर पानी की बोतल खरीद कर अपनी प्यास बुझा सकते हैं. लेकिन जैसा कि इंसान की फितरत है, उसने इसमें भी लालच करना शुरू कर दिया. अब कई लोग मिनरल वॉटर के नाम पर दूषित पानी ही बोतल में भरकर बेचने लगे हैं.

इस पानी को हम मिनरल वॉटर समझ पी लेते हैं लेकिन ये फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाता है.सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें ये बताया गया कि कैसे हम चेक कर सकते हैं कि हमारे द्वारा खरीदा गया पानी असली है या नकली. जी हां, आजकल कई लोग बोतलों में गंदा पानी ही भरकर मिनरल वॉटर के नाम पर बेचने लगे हैं. इस पानी को पीने से आपको नुकसान होगा लेकिन इसकी कीमत मिनरल वॉटर जितनी ही होती है. ऐसे में ये सवाल उठता है कि हमें कैसे पता चलेगा कि जो पानी हम खरीद रहे हैं वो असली है या नकली। अगर आप ये पता करना चाहते हैं कि जो पानी आप खरीद रहे हैं वो असली है भी या नहीं तो इसे आप एक ऐप के जरिये चेक कर सकते हैं. आपको अपने मोबाइल में BISCARE नाम का ऐप डाउनलोड कर लें. इसे खोलने के बाद इसके वेरीफाई लाइसेंस डिटेल सेक्शन में जाएं. बोतल के ऊपर एक कोड लिखा होता है. उसे ऐप में डालें और इसके बाद आपको उस बोतल की सारी डिटेल मिल जाएगी. बोतल कहां पैक हुई है, इसका पानी मिनरल वॉटर है या नहीं, ये सब आपको पता चल जाएगा।

21 दिसम्बर से देवलगढ़ में रस्साकशी प्रतियोगिता एवं जलेबी मेला

श्रीनगर गढ़वाल। देवलगढ़ में विगत वर्षों की भांति स्व. एचएस खत्री मेमोरियल रस्साकशी प्रतियोगिता एवं जलेबी मेला 21 दिसम्बर से शुरू होगा। मेले को लेकर श्री राजराजेश्वरी मंदिर परिसर में देवलगढ़ क्षेत्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में अध्यक्षता करते हुए कुंजिका प्रसाद उनियाल ने कहा कि 21-22 दिसम्बर को हेनबराइंका देवलगढ़ में स्व. एचएस खत्री मेमोरियल स्साकशी प्रतियोगिता एवं जलेबी मेला आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रधान संघ खिर्सू के अध्यक्ष बृजमोहन बहुगुणा, खण्ड शिक्षाधिकारी खिर्सू अश्वनी रावत, राइंका देवलगढ़ के प्रधानाचार्य द्वारा किया जायेगा। कहा कि मेले में महिला और पुरूष वर्ग की रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। साथ ही 22 दिसम्बर को क्षेत्र स्तर के कक्षा 6 से 12 वीं तक के छात्र छात्राओं की भी प्रतियोगिता होगी। उन्होंने बताया कि महिला और पुरुष वर्गों में विजेता व उपविजेता टीमों को स्मृति चिन्ह, तीन किलो जलेबी के साथ इक्कीस सौ नकद पुरुस्कार व द्वितीय स्थान पाने वाली टीमों को ग्यारह-ग्यारह सौ नकद व दो किलो जलेबी दी जाएगी। तृतीय स्थान पाने वाली टीमों को एक-एक किलो जलेबी सांत्वना पुरुस्कार दिया जायेगा। फाइनल मैच के दो सर्वोत्तम खिलाडियों को एक-एक किलो जलेबी दी जाएगी। साथ ही छात्र-छात्राओं की विजेता और उपविजेता टीमों को स्मृति चिन्ह के साथ ही जलेबी व लेखन सामग्री पुरुस्कार स्वरूप दी जायेंगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक टीम में पांच-पांच खिलाड़ी ही प्रतिभाग कर पाएंगे। बैठक का संचालन गबरसिंह भण्डारी ने किया। इस मौके पर सुरेश मुयाल, राजबर कुमार, राजेश कुमार और दुर्गेश कुमार उपस्थित थे।

व्यापारियों ने नगर की समस्याओं पर की चर्चा

नई टिहरी।नई टिहरी व्यापार मंडल ने बैठक कर नगर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। कहा कि व्यापार न चलने के कारण व्यापारी लगातार नई टिहरी से पलायन करने को मजबूर है। व्यापारियों ने मेडिकल कॉलेज को नई टिहरी शहर के भीतर खोलने की मांग उठाई। सोमवार को नई टिहरी व्यापार मंडल अध्यक्ष ज्योति डोभाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने सुमन पार्क में बैठक की। व्यापार मंडल अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व में व्यापारियों ने टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय को नगर के विकास के हेतु 10 सूत्रीय मांग पत्र दिया था, जिसमें मेडिकल कॉलेज को शहर के अंदर जिला अस्पताल के आसपास खोलने की मांग की थी। कहा नई टिहरी शहर से ग्रामीण क्षेत्रों का सीधा जुड़ा न होने के कारण इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ रहा है, जिसके चलते व्यापारी ऋषिकेश और देहरादून शहरों के लिये पलायन कर रहे हैं।

गूगल पे पर मोबाइल रिचार्ज करने पर लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 दिसंबर , Google Pay ने कथित तौर पर रुपये तक शुल्क लेना शुरू कर दिया है। इसके भुगतान प्लेटफॉर्म के माध्यम से मोबाइल रिचार्ज प्लान की खरीदारी पर 3 रुपये की सुविधा शुल्क है। सूत्रों के मुताबिक Google Pay ने UPI सेवा के माध्यम से मोबाइल रिचार्ज प्लान खरीदने पर यूजर से सुविधा शुल्क लेना शुरू कर दिया है।

वर्षों तक उपयोगकर्ताओं को अपने प्रीपेड प्लान को रिचार्ज करने और बिना किसी अतिरिक्त लागत के बिलों का भुगतान करने की अनुमति देने के बाद, ऐसा प्रतीत होता है कि कंपनी Google Pay के माध्यम से किए गए प्रीपेड रिचार्ज भुगतान के लिए उपयोगकर्ताओं से शुल्क लेने में प्रतिद्वंद्वी भुगतान प्लेटफॉर्म Paytm और PhonePe में शामिल हो गई है। वैसे गूगल ने अभी तक अपने भुगतान ऐप पर सुविधा शुल्क शुरू करने से संबंधित कोई घोषणा नहीं की है।

749 प्रीपेड रिचार्ज प्लान पर 3 रुपये

एक यूजर ने हाल ही में एक ऑनलाइन फोरम पर सूचना दी कि Google Pay ने भुगतान सेवा पर मोबाइल रिचार्ज योजनाओं के लिए सुविधा शुल्क लेना शुरू कर दिया है। यूजर द्वारा शेयर किए गए एक स्क्रीनशॉट से पता चलता है कि Google ने Jio के 749 प्रीपेड रिचार्ज प्लान पर 3 रुपये तक सुविधा शुल्क लिया।स्क्रीनशॉट में देखा जा सकता है कि सुविधा शुल्क में जीएसटी शामिल है। उपयोगकर्ता कहते हैं कि सुविधा शुल्क यूपीआई और कार्ड लेनदेन दोनों के लिए दिखाई देता है। टिपस्टर मुकुल शर्मा ने एक्स के माध्यम से प्लेटफ़ॉर्म के लिए सुविधा शुल्क के अतिरिक्त डिटेल्स का खुलासा किया।

100 रुपये से कम कीमत वाले मोबाइल रिचार्ज प्लान में सुविधा शुल्क नहीं लिया जाएगा, जबकि जिन रिचार्ज प्लान की कीमत 200 से 300 रुपये से अधिक हैं उनमें 2 और 3 रुपये तक सुविधा शुल्क चार्ज लगेगा।इसी के साथ PhonePe पर 2-3 रूपए सुविधा शुल्क लगते हैं, तो वहीं paytm पर 299 के रिचार्ज प्लान पर 1 रूपए सुविधा शुल्क के रूप में लगते हैं।

डिजिटल स्ट्रेन से बर्बाद हो रही आंखें ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 दिसंबर , आंखों की कीमत तब समझ में आती है जब इसमें कई तरह की दिक्कते होने लगती हैं. आंखों में सूखापन, लगातार पानी गिरना, चुभन या धुंधला दिखना बताता है कि आपकी आंखों पर डिजिटल स्ट्रेन बढ़ रहा है. डिजिटल स्ट्रेन यानी इलेक्ट्रानिक गैजेट जैसे मोबाइल, लैपटॉल और टीवी के साथ वीडियो गेम की लत. ये आपकी आंखों पर तनाव डालते हैं और आपकी आंखों की रौशनी को कम करने के साथ कई और तरह की दिक्कतें देते हैं. अगर आपकी आंखें ड्राई हो रहीं, नजर कमजोर होने के साथ सिर और गर्दन में दर्द रहे तो समझ लें आप डिजिटल स्ट्रेन के शिकार हैं. लेकिन तनाव से आंखों को बचाना है तो कुछ उपाय आपको तुरंत शुरू कर देने होंगे.

आंखों को डिजिटल तनाव से बचाने के लिए 5 उपाय

20-20-20 नियम का पालन करेंः हर 20 मिनट में, कम से कम 20 फीट दूर किसी चीज़ को देखने के लिए 20 सेकंड का ब्रेक लें. यह आपकी आंखों की मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है और उन्हें लंबे समय तक बहुत करीब से ध्यान केंद्रित करने से रोकता है.अपनी स्क्रीन सेटिंग्स समायोजित करेंः अपनी स्क्रीन की चमक और कंट्रास्ट को आरामदायक स्तर तक कम करें. आप अपने डिवाइस पर नाइट मोड सेटिंग्स भी सक्षम कर सकते हैं, जो गर्म रंगों का उत्सर्जन करते हैं जो आंखों पर कम कठोर होते हैं.बार-बार ब्रेक लें और पलकें झपकाएंः डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते समय, पूरे दिन नियमित रूप से ब्रेक लेना सुनिश्चित करें. उठें और घूमें, अपने पैरों को फैलाएं और अपनी आंखों को आराम दें. इसके अतिरिक्त, अधिक बार पलकें झपकाने का सचेत प्रयास करें, क्योंकि स्क्रीन पर घूरने से आपकी पलक झपकने की दर कम हो सकती है और आंखें शुष्क हो सकती हैं.

अपने कार्यक्षेत्र में सुधार करेंः अपने कंप्यूटर स्क्रीन को अपनी आंखों से लगभग एक हाथ की दूरी पर और आंखों के स्तर से थोड़ा नीचे रखें. यह गर्दन के तनाव को रोकने में मदद करता है और आपकी आंखों को बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने से रोकता है. इसके अतिरिक्त, प्रकाश व्यवस्था को समायोजित करके और अपनी स्क्रीन पर एंटी-ग्लेयर फिल्टर का उपयोग करके चमक को कम करें.नीली रोशनी से सुरक्षा पर विचार करेंः स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी आंखों पर डिजिटल दबाव डाल सकती है और नींद के पैटर्न को बाधित कर सकती है. नीले प्रकाश-अवरुद्ध चश्मे का उपयोग करने पर विचार करें, खासकर यदि आप सोने से पहले लंबे समय तक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करते हैं.

आंखों की सुरक्षा के लिए टिप्स

नियमित जांच के लिए अपने नेत्र चिकित्सक से परामर्श लें और डिजिटल नेत्र तनाव के बारे में अपनी चिंताओं पर चर्चा करें.तैलीय मछली और अखरोट में पाए जाने वाले ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवन बढ़ाएं, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं.आंसू उत्पादन को बनाए रखने के लिए पूरे दिन खूब सारा पानी पीकर हाइड्रेटेड रहें.हवा में नमी जोड़ने और सूखी आंखों को रोकने के लिए, विशेष रूप से शुष्क जलवायु में ह्यूमिडिफायर का उपयोग करें.इन सरल युक्तियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, आप अपनी आंखों को डिजिटल तनाव से प्रभावी ढंग से बचा सकते हैं और एक आरामदायक और स्वस्थ देखने के अनुभव का आनंद ले सकते हैं. याद रखें, जीवन भर अच्छी दृष्टि और समग्र स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपनी आँखों की देखभाल करना महत्वपूर्ण है.

हादसा होने पर भारतीय रेलवे देता है मुआवजा, जानें प्रक्रिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 12 दिसंबर , हमने कई बार ऐसी खबरें पढ़ी और सुनी है जिसमें बताया जाता है कि ट्रेन में आग लगने से इतने लाख का नुकसान और इतनी संख्या में लोग हुए घायल। क्योंकि ट्रेन में आग लगने की घटनाएं अक्सर ही सामने आती रहती हैं।तो क्या आपने कभी सोचा कि अगर ट्रेन में आग लग जाती है तो ऐसे में इसकी जबावदेही किसकी होती है। कौन देता यात्रियों को हर्जाना जानेंगे आज की इस रिपोर्ट में।

दुर्घटना के लिए किया जाता है इंश्योरेंस

जब भी कोई टिकट बुक करता है तो ये किसी भी यात्री के लिए अनिवार्य नहीं होता है कि वो रेलवे की ओर से दिया जाने वाला इंश्योरेंस जरूर ले। यह यात्री की इच्छा पर होता है और जब कोई यात्री ट्रेवल इंश्योरेंस पर क्लिक करता है तब ही उनका इंश्योरेंस होता है। इस ट्रेवल के लिए हर यात्री को टिकट के हिसाब से 35 पैसे देने होते हैं।

ये होती इंश्योरेंस की प्रक्रियापहले आपको बताते हैं कि ये इंश्योरेंस सिर्फ कंफर्म, आरएसी और पार्ट कंफर्म टिकट वालों को ही इंश्योरेंस का फायदा मिलता है। एक बार इंश्योरेंस खरीदने के बाद यात्री को एसएमएस और रजिस्टर्ड मेल आई पर इंश्योरेंस कंपनी की ओर से जानकारी दे दी जाती है।

इंश्योरेंस होने पर मिलता है मुआवजा

ये मैसेज आने के बाद यात्री को इंश्योरेंस कंपनी की वेबसाइट पर जाकर नॉमिनेशन की डिटेल भरनी होती है। अगर कोई नोमिनेशन की डिटेल नहीं भरता है तो इसके बाद मुआवजा उनके लीगल वारिस को मिलता है और इसके लिए पहले दावा करना होता है। इस इंश्योरेंस में ट्रेन एक्सीडेंट की वजह से होने वाली मौत, इंजरी पर कुछ मुआवजा राशि दी जाती है।

इतना मिलता है पैसा

इस इंश्योरेंस में ट्रेन एक्सीडेंट के बाद यात्रियों को होने वाले अलग अलग नुकसान के आधार पर क्लेम दिया जाता है। इंश्योरेंस में मौत होने पर 10 लाख रुपये, पर्मानेंट टोटल डिसेबिलिटी होने पर 10 लाख रुपये, पर्मानेंट पार्शल डिसेबिलिटी होने पर साढ़े सात लाख रुपये, घायल पर होने 2 लाख रुपये तक का अस्पताल का खर्चा और ट्रांसपोर्टेशन का 10 हजार रुपये मिलता है।

मंजू बहुगुणा इनोवेटिव टीचर्स अवार्ड से सम्मानित

नई टिहरी।राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान सीमेट देहरादून में शैक्षिक नवाचार की चार दिवसीय कार्यशाला में जनपद टिहरी गढ़वाल से पांच अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया। नवाचार को लेकर इन शिक्षिकाओं ने अपने विद्यालयों में बेहतर कामों को अंजाम दिया है। जनपद टिहरी गढ़वाल से नवाचार उन्नयन गोष्ठी में हाईस्कूल ल्वेदन कसमोली की विज्ञान अध्यापिका राज्य योग टीम प्रभारी मंजू बहुगुणा, जूनियर विद्यालय की प्रकाशी सेमवाल, प्राथमिक विद्यालय की उषा त्रिवेदी, सरोजनी रावत और सरोजबाला को इनोवेटिव टीचर्स अवार्ड प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निदेशक अकादमिक, शोध एवं प्रशिक्षण वंदना गर्ब्याल द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ करने के बाद इन्हें सम्मानित किया गया। इन्होंने टीम द्वारा बच्चों के हित में दैनिक सामग्री प्रसारण, ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण, प्रश्न पत्र निर्माण, शिक्षक प्रोत्साहन आदि अनेक कार्यों को किया। टीम मोटीवेटर मार्गदर्शक लक्ष्मण सिंह मेहता सोशल मीडिया के युग में शैक्षिक समूह की आवश्यकता, अनिवार्यता पर बल देते हुए टीम शैक्षिक नवाचारी संवाद द्वारा किए जा रहे कार्यों से अवगत कराते हुए महिला अध्यापिकाओं के कार्यों को सराहा। सम्मान के लिए टीम कार्डिनेटर शंकर सिंह, सीमैट अपर निदेशक ऐके नौडिया, डॉ मदन मोहन उनियाल, डॉ मोहन बिष्ट, डॉ विनोद ने बधाईयां दी है।

डीएम खुराना की अध्यक्षता में हुई जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की शासी परिषद की बैठक

चमोली। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन न्यास निधि की शासी परिषद की बैठक हुई। जिसमें प्रबंधन समिति द्वारा पूर्व में संस्तुत किए गए उच्च प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 69.25 लाख के 06 विकास कार्यो और अन्य प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत 23.50 लाख के 04 विकास कार्यो का अनुमोदन किया गया। इस दौरान जिला खनिज न्यास निधि के अंतर्गत प्राप्त आय व्यय पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए स्वीकृत विकास कार्यो को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए। ताकि जल्द से जल्द स्वीकृत विकास कार्यो का लाभ क्षेत्रवासियों को मिले। उन्होंने कहा कि शासी परिषद के सदस्यों से जो भी सुझाव प्राप्त हुए हैं उसके आधार पर जिला खनिज संस्थान न्यास मद की राशि का उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए किया जा रहा हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विभागों द्वारा अभी तक प्रस्ताव नही दिए गए है वो शीघ्र उपलब्ध करें।

जहर देकर हत्या के आरोपी प्रेमी युगल को आजीवन कारावास

काशीपुर। द्वितीय एडीजे की अदालत ने जहर देकर एक युवक की हत्या करने के आरोपी और उसकी प्रेमिका को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। आईटीआई थाना क्षेत्र के गांव बड़ी बरखेड़ी निवासी कुलदीप सिंह 29 जून 2020 की रात से लापता था। उसके ताऊ बूटा सिंह ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। दो जुलाई को गांव में बरातघर के पास नाले में कुलदीप का शव पड़ा मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत गला दबाने के कारण होना बताई गई थी। छानबीन में पता चला था कि कुलदीप के गांव की सुखविंदर कौर से संबंध थे, लेकिन कुलदीप ने उससे शादी से इंकार कर रहा था। कुलदीप को ठिकाने लगाने के लिए सुखविंदर ने अली हुसैन उर्फ अलिया से दोस्ती गांठ ली और उसकी हत्या करने की साजिश रची। सुखविंदर ने कुलदीप को बाग में बुलाया और उसे इलायची युक्त जहर मिला दूध पीने को दिया। इसी दौरान अली हुसैन ने गमछे से गला घोंटकर कुलदीप की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस केस में आईटीआई के तत्कालीन थाना प्रभारी विद्यादत्त जोशी ने चार्जशीट पेश की। केस का ट्रायल द्वितीय एडीजे रितेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत में हुआ। अभियोजन की ओर से पैरवी एडीजीसी रतन सिंह कांबोज ने की। अभियोजन की ओर से 13 गवाह पेश हुए। सभी ने अभियोजन का समर्थन किया। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने दोनों आरोपियों अली हुसैन उर्फ आलिया और सुखविंदर कौर को कुलदीप की हत्या का दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपियों को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपियों को धारा 328 में पांच साल और धारा 201 में तीन साल की सजा सुनाई गई है।

किसान आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमें वापस लें

काशीपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर भाकियू ने राष्ट्रपति को प्रेषित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। उन्होंने किसान आंदोलन के समय किसानों से किए वादों को पूरा करने की मांग की। सोमवार को एसडीएम कार्यालय पहुंचे किसानों ने एसडीएम गौरव चटवाल को दिए ज्ञापन में कहा कि आंदोलन के समय केंद्र सरकार ने हरियाणा और दिल्ली में किसानों के ऊपर दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने को कहा था, लेकिन सरकार ने किसानों पर दर्ज मुकदमे अभी तक भी वापस नहीं लिए हैं। इससे किसान नाराज है। उन्होंने कहा कि किसानों से समझौते के समय किए गए वादों को सरकार शीघ्र पूरा करें। अन्यथा किसान आंदोलन को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में प्रेम सहोता, अमनप्रीत सिंह, मुख्तार सिंह, सुखदीप सिंह, दर्शन सिंह, दीदार सिंह, संदीप सिंह, जोगा सिंह, दारा सिंह, हरदेव सिंह, , मेहर सिंह, लखविंदर सिंह आदि शामिल रहे।

संपादकीय

आदिवासी की ताजपोशी

आरएसएस के समर्पित कार्यकर्ता, प्रधानमंत्री मोदी की प्रथम कैबिनेट के साथी, चार बार के लोकसभा सांसद और आदिवासी समाज के प्रमुख नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री होंगे। वह भाजपा और राज्य के प्रथम आदिवासी मुख्यमंत्री होंगे। वैसे छत्तीसगढ़ के सर्वप्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी भी खुद को आदिवासी ही कहते रहे, लेकिन 2019 में अदालत ने उनका 'अनुसूचित जनजाति' वाला प्रमाण-पत्र 'अमान्य' कर दिया था, लिहाजा प्रशासनिक और राजनीतिक व्यवहार में विष्णुदेव ही राज्य के प्रथम आदिवासी मुख्यमंत्री माने जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना तय हुआ है। छत्तीसगढ़ के लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह को 'विधानसभा अध्यक्ष' का दायित्व सौंपा जाएगा। विष्णुदेव साय भाजपा-संघ परिवार के मंजे हुए नेता हैं, क्योंकि उन्होंने सरपंच से लेकर मुख्यमंत्री तक का 'चरमोत्कर्ष' छुआ है। इन विधानसभा चुनावों में भाजपा ने आदिवासियों का नया वोट बैंक तैयार कर कांग्रेस के जबड़े से जीत छीनी है। चुनाव के किसी भी सर्वे में भाजपा की जीत के आसार नहीं थे। कांग्रेस के लिए सत्ता में बने रहने के स्पष्ट अनुमान लगाए गए थे, लेकिन जनादेश घोषित हुआ, तो सरगुजा क्षेत्र की सभी 14 सीट और बस्तर की 12 में से 8 सीट भाजपा के हिस्से आईं। इसे 'नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र' भी माना जाता है। कांग्रेस का पुराना, परंपरागत आदिवासी जनाधार ही ध्रुवीकृत हो गया। चूंकि भाजपा ने 2022 में ही आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति निर्वाचित कराया था, आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय जनजाति दिवस' घोषित किया था, नतीजतन आदिवासियों के ध्रुवीकरण के ये दो बुनियादी कारण साबित हुए। इसके अलावा, आरएसएस ने 'बनवासी कल्याण आश्रम' के जरिए पुराने मध्यप्रदेश (अब छत्तीसगढ़) में आदिवासियों के लिए व्यापक कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की 'गारंटियों' के साथ-साथ छत्तीसगढ़ भाजपा के नेताओं ने भी राज्य की करीब 33 फीसदी आबादी, यानी कुल 90 में से 30 विधानसभा सीट, को विश्वास दिलाया कि भाजपा ही उनकी हितैषी पार्टी है। नतीजा सामने है। 2018 में इन आदिवासी बहुल इलाकों ने कांग्रेस को लबालब जनादेश दिया था। अब मोदी-शाह की भाजपा ने आदिवासियों के अलावा, ओबीसी, दलितों और महिलाओं के वोट बैंक सुनिश्चित कर लिए हैं। हाल ही में तीन राज्यों में जो जनादेश सामने आए हैं, उनमें इन समुदायों के बहुमत वोट भाजपा के पक्ष में आए हैं। यकीनन इससे लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को फायदा मिलना चाहिए। यह सामाजिक संरचना भाजपा-संघ परिवार का 'राजनीतिक मॉडल' भी बन सकती है। क्या मप्र और राजस्थान में भी इसी तर्ज पर मुख्यमंत्रियों की ताजपोशी की जा सकती है? दरअसल इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और संगठन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही रहेगी कि 2024 के आम चुनाव में 65 लोकसभा सीट में से अधिकतम हिस्सा भाजपा की झोली में ही आए। लक्ष्य नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का है। मप्र की बारी तो आज ही है। जब आप यह संपादकीय पढ़ेंगे, तब तक मप्र का मुख्यमंत्री तय हो जाना चाहिए। मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्य में सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने 165 सीटों पर जनसभाएं कीं और आज भी हारी हुई सीटों पर लोकसभा के लिए प्रचार पर निकले हैं। आम धारणा यह है कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा अध्यक्ष का राष्ट्रीय नेतृत्व अब नए चेहरे को उभारने के पक्ष में हैं। यही राजनीति राजस्थान में भी जारी है। दिलचस्प है कि दोनों राज्यों के प्रमुख नेताओं के खिलाफ कोई भी जन-लहर नहीं है। यदि नया चेहरा लाया जाता है, तो लोकसभा चुनाव में नुकसान भी संभव है। शेष दोनों राज्यों में ओबीसी और महिला को नेतृत्व सौंपा जाना चाहिए।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के निर्णय पर कोर्ट की मोहर : भट्ट

हल्द्वानी। केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले को सहित ठहराया है। भारत की संप्रभुता एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए अनुच्छेद 370 हटाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया। यह एक ऐतिहासिक निर्णय था। यह फैसला केंद्र सरकार के देश हित और जम्मू कश्मीर, लद्दाख के समग्र विकास को लिए गए निर्णय पर मोहर है। सर्वोच्च न्यायालय की ओर से दिए गए निर्णय के बाद यह स्पष्ट है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख राज्य में सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ है।

नाबालिग के चालान कर वीडियो वायरल होने पर विवाद

हल्द्वानी। नैनीताल में ट्रैफिक नियम तोड़ रहे नाबालिग को उसकी साथी के साथ पकडक़र पुलिस ने उनका चालान किया। इसके बाद नाबालिग के पुलिस चालान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिस पर स्थानीय लोगों ने विरोध जताया। विरोध के बाद कुछ पोर्टल से वीडियो हटा दिए गए। नैनीताल पुलिस का कहना है कि उनकी ओर से वीडियो नहीं बनाया गया। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम को नाबालिग छात्र नैनीताल में परीक्षा देकर अपनी साथी के साथ भवाली लौट रहा था। इसी बीच पुलिस ने रोकने का इशारा किया। नाबालिग ने स्कूटी तेज भगा दी। भवाली रोड पर कुछ दूर जाकर पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। इस पर नियमानुसार चालान काटा गया। आरोप है कि इस दौरान वीडियो भी बनाया गया। रविवार दोपहर से नाबालिग के चालान काटने का वीडियो सोशल मीडिया व कुछ पोर्टल पर वायरल हो गया। इससे नाबालिग व उसके परिजन चिंतित हो गए। सामाजिक कार्यकर्ता अफसर अली ने कहा कि नाबालिग कानून तोड़ रहे थे, इस पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। वीडियो बनाकर इस तरह वायरल करना अपराध की श्रेणी में आता है। स्थानीय लोगों की मदद से पोर्टलों से संपर्क कर वीडियो हटाने की अपील की गई।

भीमताल में गुलदार को मारने की अनुमति मिली

हल्द्वानी। भीमताल ब्लॉक के गांवों में लोगों के लिए खतरा बने गुलदार को मारने की अनुमति मिल गई है। पिनरो के डोब गांव के साथ-साथ पांच अन्य गांवों में वन विभाग की टीम समूह बनाकर गश्त कर रही है। हर एक समूह में एक बंदूक धारी तैनात किया गया है। हालांकि अब तक बाघ व गुलदार को लेकर असमंजस बना हुआ है। बीते चार दिनों में गुलदार ने तीन लोगों पर हमला किया है। जिसमें मलुवाताल की इंद्रा बेलवाल और पिनरो की पुष्पा देवी की मौत हो गई। तब से वन विभाग में हडक़ंप मचा हुआ है। लोगों में वन विभाग के खिलाफ नाराजगी है। वन विभाग ने घटनास्थल पर 10 कैमरे और आसपास चार पिंजरे लगा दिए हैं। लेकिन अभी तक हमलावर का कुछ पता नहीं चल पाया है। जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया ने कहा कि जल्द आदमखोर को मारना चाहिए, ताकि क्षेत्र में कोई और घटना नहीं घटे। वन क्षेत्राधिकार मुकुल शर्मा ने बताया कि चार से पांच गांव में गश्त की जा रही है। रविवार को दिन में एक बार गुलदार जंगल की तरफ जाता हुआ दिखा, लेकिन उसके बाद से कोई लोकेशन ट्रेस नहीं हुई है। वहीं डीएफओ चंद्र शेखर जोशी ने बताया कि गुलदार को मारने की अनुमति मिल गई है। पीड़ित परिजनों को मुआवजा देने की कार्यवाही चल रही है। धनराशि आते ही चेक दे दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने यात्रा के रथ को किया रवाना

हल्द्वानी। विधायक राम सिंह कैड़ा ने सोमवार को भीमताल क्षेत्र के पतलोट बाजार से विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ को रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा प्रत्येक गांव, न्याय पंचायत स्तर तक जाएगी। इसके माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जाएगी। ग्रामीणों को इनका लाभ भी दिलाया जाएगा। विधायक ने कहा कि यह यात्रा पूरे देश में जनकल्याणकारी योजनाओं को शत प्रतिशत पूरा करने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई है। उन्होंने कृषि, उद्यान, मंडी परिषद, पशुपालन, स्वास्थ्य, बैंक ऑफ बडौदा, आयुष्मान, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, शिक्षा विभाग, जिला उद्योग, सहकारी समिति, किसान सेवा केंद्र, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक और खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। केडी भट्ट, चूड़ामणि भट्ट, रघुवीर मटियाली, निर्मल मटियाली, संदीप कुमार, राम सिंह मछखोलिया, दीपक बर्गली, टीकम खनवाल, भगवान राम, पंकज सुयाल आदि मौजूद रहे।

विदेशों से सेब का आयात बंद करे सरकार'

नैनीताल। नैनीताल में हॉर्टिकल्चर फोरम की ओर से सोमवार को बैठक आयोजित की गई। इसमें हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड के संयोजकों ने तीन प्रमुख एजेंडों को लेकर अपनी बातें रखीं। उनका कहना था कि भारत में 40 देशों से सेब का आयात किया जाता है। जिस कारण भारत के किसानों को नुकसान होता है। फोरम के संयोजकों ने मांग उठाई कि विदेश से सेब का कम आयात किया जाए और भारत में किसानों को सहयोग दिया जाए। साथ ही सरकार की ओर से अच्छे देशों से अच्छी प्रजाति के सेब के पौधों को आयात किया जाए। उन्होंने कहा कि देश के किसानों के सामने मार्केटिंग चैलेंज है। इसीलिए केंद्र व राज्य सरकार कोई मार्केटिंग पॉलिसी लाए और सभी फसलों के लिए एक निर्धारित मूल्य तय करे। हॉर्टिकल्चर फोरम ने निर्णय लिया है कि राज्यों के सभी फसलों को उच्चतम मूल्य दिलाने के लिए वह केंद्र व राज्य सरकार से बात करेंगे। इस दौरान उत्तराखंड से प्रवीण शर्मा, कश्मीर से माजिद और हिमाचल से अशोक चौधरी, मंजूर अहमद, जावेद अहमद, मोहम्मद अशरफ, शबीर अहमद, डॉ. नारायण सिंह, गोपाल, गोधन रावत, देवेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

भाषा बचेगी तो समाज बचेगा: नवानी

हल्द्वानी। यूओयू में मानविकी विद्याशाखा की ओर से भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम-2023 आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भाषाविद् लोकेश नवानी ने कहा कि यदि भाषा बची रहेगी तो समाज बचा रहेगा। उन्होंने कहा कि भाषा का विकास अपने परिक्षेत्र के अंदर रहकर ही हो सकता है। विवि के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आयोजन संयोजक प्रो. रेनू प्रकाश ने कार्यक्रम के लिए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी का आभार जताया। विषय प्रवेश संयोजक डॉ. शशांक शुक्ला ने विस्तृत रूप से कार्यक्रम की रूपरेखा एवं भारतीय भाषा उत्सव के बारे में चर्चा की। विशिष्ट वक्ता कुमाउनी भाषा प्रो. प्रभा पंत, विशिष्ट वक्ता गढ़वाली भाषा डॉ. अमिता प्रकाश, विशिष्ट वक्ता लोक भाषा आभा गर्खाल ने कुमाउनी और गढ़वाली के कवियों की रचनाओं का वाचन किया। निबंध और कविता प्रतियोगिताएं भी हुईं। निबंध में करीना जैनम, मुबारक रजा, अमरान अली और शबाना अव्वल रहे। कविता में मुबारक रजा, इमरान और शबाना ने बाजी मारी। प्रो. गिरजा पांडे ने कहा कि भाषा उत्सव में संपूर्ण संस्कृति की बात करनी चाहिए। यहां कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, डॉ. नागेंद्र सिंह गंगोला, डॉ. राजेंद्र कैड़ा, कुमार मंगलम, अनिल कार्की, डॉ. पुष्पा, डॉ. द्वीजेश, डॉ. शैलजा, शहपर शरीफ, शाने अली, अफजल हुसैन, गुलाम जिलानी, डॉ. नीरज तिवारी, डॉ. राहुल पंत, डॉ. प्रभाकर पुरोहित, राजेंद्र सिंह क्वीरा, भावना धौनी, रेनू भट्ट आदि मौजूद रहे।

'गोवंशीय पशुओं की मॉनीटरिंग करे निगम

हल्द्वानी। नगर निगम की ओर से शहर की सडक़ों से पकडक़र गोशाला ले जाए जा रहे गोवंशीय पशुओं की सही देखरेख न होने पर गो सेवकों ने नाराजगी जताई है। मामले में गो सेवकों ने सोमवार को निगम कार्यालय पहुंचकर नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेश पर शहर से बाहर किए जा रहे गोवंशीय पशुओं सही देखरेख और नियमित खानपान, उपचार नहीं मिल पा रहा है। आरोप लगाया कि निगम के द्वारा पशुओं को वाहनों में ठूंस कर ले जाया जा रहा है। मांग उठाई कि पूरी प्रक्रिया की मॉनीटरिंग की जानी चाहिए ताकि गोवंशीय पशुओं को परेशानी न हो। ज्ञापन देने वालों में गो सेवक जोगेंद्र राणा जोगी, प्रदीप उप्रेती, दिव्यांशु भंडारी, नीलांबर कांडपाल, पवन गुप्ता, कमल मुनि, मुकेश जोशी, तनिष्क ढींगरा, विक्की चौरसिया, चंदन मलारा, दीपांशु पोखरिया, सूरज गोस्वामी, आशीष शर्मा, गोविंद आर्य, विनोद कुमार, राज अधिकारी आदि मौजूद रहे।

दून में फ्लाईओवर का निर्माण किस मास्टरप्लान से हुआ

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने दूनघाटी को ईको सेंसटिव जोन घोषित करने व मास्टर प्लान के मुताबिक विकास योजनाएं न बनने से जुड़ी याचिका पर सुनवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने सचिव शहरी विकास को निर्देश दिए हैं कि बल्लीवाला व आईएसबीटी फ्लाईओवर का निर्माण किस स्वीकृत मैप के अनुसार किया गया, इसके बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रदेश के स्थायी अधिवक्ता से इस मामले को प्राथिमकता से देखने को कहा है। अगली सुनवाई के लिए 5 जनवरी की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार देहरादून निवासी आकाश वशिष्ठ ने जनहित याचिका दायर की है। जिसमें कहा है कि वर्ष 1989 में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय केंद्र सरकार ने दूनघाटी को ईको सेंसटिव जोन घोषित किया गया था। 34 साल बीत जाने के बाद भी इस शासनादेश को प्रभावी तौर पर लागू नहीं किया गया। जिसकी वजह से दूनघाटी में नियमविरुद्ध तरीके से विकास कार्य, खनन, पर्यटन व अन्य गतिविधियां गतिमान हैं। विकास कार्यों के लिए मास्टर प्लान नहीं है। न ही पर्यटन के लिए पर्यटन विकास योजना बनाई गई। जिसकी वजह से नियम विरुद्ध विकास कार्य हो रहे हैं। जनहित याचिका में कहा गया कि दूनघाटी में समस्त विकास कार्य मास्टर प्लान के अनरूप हों। याचिका पर हाईकोर्ट ने कहा कि देहरादून प्रदेश की राज्यधानी है उसका विकास तो स्वीकृत मास्टर प्लान के मुताबिक होना चाहिए।

नैनीताल व ऊधमसिंह नगर के 626 डाक सेवक आज से हड़ताल पर

नैनीताल। नैनीताल व ऊधमसिंहनगर के 626 डाक सेवक आज से हड़ताल पर जा रहे हैं। जिस कारण ग्रामीण इलाकों में डाक वितरण, आरडी जमा, कुरियर सर्विस सहित सभी डाक सेवाएं पूरी तरह से प्रभावित रहेंगी। अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ से जुड़े ग्रामीण डाक सेवक समान कार्य-समान वेतन सहित सात सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। डाक सेवक नैनीताल मंडल के मंडलीय सचिव प्रेम प्रकाश शर्मा ने बताया कि अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ लंबे समय से सात सूत्रीय मांगों के लिए आंदोलन चला रहा है। पर डाक विभाग उनकी मांगों को नहीं मान रहा है। उन्होंने बताया कि 12 दिसंबर को नैनीताल व ऊधमसिंह नगर के ग्रामीण डाक सेवकों ने बेमियादी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है।

रजनीश जुयाल हो सकते हैं टिहरी लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 12 दिसंबर , भले ही देश के कई बड़े राज्यों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस चुनाव हार रही हो , भले ही अभी 2024 लोकसभा का आम चुनाव थोड़ा दूर नजर आ रहा हो , लेकिन दावेदारों ने अब अपनी जमीन तैयार करना शुरू कर दिया है। उत्तराखंड में इस वक्त पांच लोकसभा सीटें भाजपा के पास है। जहां हरिद्वार , नैनीताल , अल्मोड़ा पौड़ी और टिहरी के मौजूदा सांसद अपने-अपने टिकट को बचाने के लिए जोड़-तोड़ में जुड़ गए हैं तो वही नए समीकरण और गुणा गणित के साथ भाजपा के कई बड़े चेहरे और दावेदार भी दिल्ली दरबार में अपनी मौजूदगी दर्ज करने लगे हैं। लेकिन हम आपको बात कांग्रेस के दावेदारी की बताएँगे

अगर आपको भाजपा के अंदर दावेदारों की फौज नजर आए तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि जिस तरह से बीते दिनों राजस्थान , मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कांग्रेस की हार हुई उसके बाद कम से कम कांग्रेस पार्टी के झुके हुए कंधों के साथ कार्यकर्ताओं का मनोबल भी डगमगाया है। लिहाजा 2024 के लिए यहाँ सुगबुगाहट और दौड़ भाग भाजपा के मुकाबले कम ही नजर आ रही है। लेकिन हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी लोकसभा सीट के बारे में बताने जा रहे हैं जहां संघर्ष कर रही कांग्रेस के ऊपर अपना पूरा भरोसा और पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को जताते हुए उत्तराखंड के एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल ने लोकसभा टिकट का मजबूत दावा ठोक दिया है।

रजनीश जुयाल बोले....

- नेक नीयत के सीएम हैं पुष्कर सिंह धामी
- राहुल प्रियंका और कांग्रेस से मुझे पूरी उम्मीद
- प्रदेश में कांग्रेस जीतेगी सभी पांचों लोकसभा सीट
- माँ समान है महारानी लेकिन हराऊंगा चुनाव

जी हां आपको यकीन नहीं होगा लेकिन कम से कम टिहरी लोकसभा सीट को लेकर कांग्रेस के अंदर एक नाम बड़ी तेजी से चर्चाओं में है। दिल्ली से देहरादून तक जहां कांग्रेस के दिग्गज आगामी लोकसभा चुनाव में मौजूदा सियासी हवा को देखते हुए जीत हार की संभावनाओं पर मंथन कर रहे हैं तो वही टिहरी रियासत की महारानी जो मौजूदा समय में टिहरी की सांसद भी हैं उनको अपना किला भी बचाना है और जीत के इस सिलसिले को बरकरार भी रखना है। लेकिन यहां से कांग्रेस आलाकमान के करीबी और पुराने कोंग्रेसी जिन्हे सोनिया राहुल का पारिवारिक मित्र भी माना जाता है यानी दून में सात दशक पुराने प्रतिष्ठित मार्शल स्कूल के प्रिंसिपल और पत्रकारिता के पुराने माहिर माने जाने वाले एडुकेशनिस्ट रजनीश जुयाल ने अपनी मजबूत दावेदारी को सामने रख दिया है।

एक तरफ जहां प्रीतम सिंह , हरक सिंह रावत , यशपाल आर्य , हरीश रावत , गणेश गोदियाल करन माहरा , और कई बड़े चेहरे किसी भी सीट से खुद को दावेदार बताने से बच रहे हैं वही टिहरी लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस के परचम तले चुनाव लड़ने का दावा ठोक दिया है शिक्षाविद और पुराने कांग्रेसी रजनीश जुयाल ने , उन्होंने हमसे बात करते हुए बताया कि प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस जैसी पुरानी और मजबूत पार्टी को पूरे जोश और एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। ऐसे में उन्होंने अपनी दावेदारी को मजबूत बताते हुए कहा कि अगर राहुल प्रियंका की युवा सोच , मैडम सोनिया की हामी और प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद उन्हें मिला तो वो टिहरी रियासत की महारानी के भगवा किले को कांग्रेस के पंजे से ध्वस्त कर देंगे।

आपको बता दें कि शिक्षा के क्षेत्र में देहरादून के प्रतिष्ठित स्कूलों में मार्शल का नाम बड़े सम्मान और भरोसे के साथ लिया जाता है। जिसके पीछे उनके पिता स्वर्गीय जी सी जुयाल सात दशक से चला आ रहा शानदार शिक्षण संस्थान का ट्रैक रिकॉर्ड है। पुराने दूनवासी बताते हैं कि जुयाल परिवार का कांग्रेस परिवार के साथ बेहद पुराना रिश्ता रहा है और उन्हें दिल्ली में बड़े सम्मान और आदर के साथ देखा जाता है। अंदरूनी खबर यह भी है कि कहीं ना कहीं पार्टी समाज के अलग-अलग वर्ग के साफ सुथरे और नए चेहरों को चुनावी मैदान में उतार कर भाजपा को उसी की भाषा में जवाब देना चाहती है। लिहाज़ा सम्भव है बीते दिनों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ कुछ ना कुछ जुयाल परिवार को संभावना और सांत्वना जरूर मिली होगी तभी चुनाव से पहले टिहरी जैसी महत्वपूर्ण लोकसभा सीट पर उन्होंने अपनी मजबूत दावेदारी का ऐलान किया है।

अपनी बातचीत के दौरान मार्शल स्कूल के प्रिंसिपल रजनीश जुयाल युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तारीफ भी करते हैं और कहते हैं कि युवा और दूरदर्शी होने के नाते धामी सरकार का कार्यकाल बीते सालों के मुकाबले बेहतर है। उन्होंने टिहरी रियासत की महारानी और मौजूदा लोकसभा सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह को भी अपना पारिवारिक शुभचिंतक बताया और कहा कि अगर उन्हें कांग्रेस से लोकसभा का टिकट मिलता है तो वह चुनाव मैदान में उतरने से पहले महारानी का आशीर्वाद भी लेने जाएंगे। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत मौजूदा नेता विपक्ष यशपाल आर्य और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा को भी मजबूत दावेदार बताते हुए कहा कि अगर हम सब एक साथ , एक दिशा में मिलकर बीजेपी के खिलाफ आगे बढ़ेंगे तो 2024 में पांचों लोकसभा सीट पर पंजा अपनी मजबूत पकड़ के साथ जीत ज़रूर दर्ज करेगा

अपने चुनावी मुद्दों के बारे में बताते हुए रजनीश जुयाल कहते हैं कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह टिहरी लोकसभा क्षेत्र में आने वाले देहरादून जैसे बेहद महत्वपूर्ण शहर में शिक्षा प्रणाली और शिक्षण संस्थानों की बेहतरी के लिए सबसे पहले काम करेंगे। क्योंकि एक शिक्षाविद होने के नाते प्रदेश में एजुकेशन सिस्टम और एजुकेशन से जुड़े इंस्टीट्यूट को बेहतर बनाना आज के युवा देश और प्रदेश के लिए सबसे अहम है। वहीं उन्होंने स्मार्ट सिटी देहरादून को लोगों के लिए व्यावहारिक और आरामदायक बनाने के लिए दिशा में भी अपने विजन सामने रखें . हालांकि यह अभी कहना जल्दबाजी होगी कि कांग्रेस जैसी दिग्गज और पुरानी पार्टी क्या अपने परंपरागत अंदाज को छोड़कर नए चेहरों को चुनावी मैदान में मौक़ा देगी और क्या दिग्गजों को पीछे रखते हुए समाज के ऐसे नए , युवा और साफ सुथरी छवि वाले पार्टी के वरिष्ठ सदस्य को स्पोर्ट करेगी ये दावा करना थोड़ा जल्दबाज़ी ज़रूर होगी।

बाघ के हमले में हाथी के बच्चे की मौत

हल्द्वानी। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के आमपोखरा रेंज में बाघ ने हाथी के बच्चे पर हमला कर मार डाला। तराई पश्चिमी वन प्रभाग के आमपोखरा रेंज और उससे सटे कॉर्बेट टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघ के हिंसक होने की घटनाएं कुछ दिनों से लगातार सामने आ रही हैं। सोमवार को तराई पश्चिमी वन प्रभाग आमपोखरा रेंज के शिवनाथपुर में बाघ ने हाथी के एक बच्चे पर हमला किया। आमपोखरा रेंजर पूरण सिंह खनायत ने बताया कि हाथी के बच्चे की उम्र तीन से चार वर्ष बताई जा रही है और वह नर था। हाथी के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से जंगलों में न जाने के लिए कहा गया है। उस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की अपील की है।

रूद्रपुर में 18 को सिख सम्मेलन में पहुंचेंगे सीएम धामी

काशीपुर। सोमवार को चीनी मिल गेस्ट हाउस में भाजपा की एक मीटिंग हुई। इसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने की। इस बैठक में 18 दिसंबर को रूद्रपुर में होने वाले सिख सम्मेलन को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहुंचेंगे। बैठक में पहुंचे भाजपा प्रदेश महामंत्री खिलेंद्र चौधरी ने 18 दिसंबर को रूद्रपुर में होने वाले युवा सिख सम्मेलन की रणनीति बनाई और कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारियां सौंपी। इसके बाद जिला अध्यक्ष ने एक कमेटी बनाई, जो पूरे इस कार्यक्रम के लिए विधानसभा में कार्य करेगी। इस कमेटी में अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री राजेश कुमार, बलकार सिंह, जोगिंदर सिंह, सरदार मेजर सिंह, रूपेंद्र सिंह, हरजिंदर सिंह, हरप्रीत सिंह हैरी, बिट्टू चौहान, परविंदर सिंह विर्क, राजेश सैनी, संजीव कुमार आदि को कमेटी का मेंबर बनाया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट पहुंचेंगे। वहीं सुखदेव सिंह नामधारी ने संबोधन में कहा कि अधिक से अधिक संख्या में लोग वहां पहुंचेंगे। राजेश कुमार ने कहा की सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को समझें और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा प्रयत्न करें। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री वीरेंद्र सिंह बिष्ट ने किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री गुरविंदर सिंह चंडोक, कमल किशोर भट्ट, विकास गुप्ता, प्रियंका दिवाकर, गौरव शर्मा, नरेंद्र चौधरी, दिलीप सिंह, प्रवीण सिंह आदि थे।

शहर की समस्याओं के निस्तारण न होने पर भडक़े

कोटद्वार। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति की ओर से लालढ़ांग-चिलरखाल मोटर मार्ग का निर्माण कार्य न होने सहित शहर की अन्य समस्याओं के निस्तारण न होने पर भाबर क्षेत्र में बाइक रैली निकाली गई और आमजन से समस्याओं के निस्तारण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया गया। पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के बैनर तले सोमवार को पूर्व सैनिक व आम जन चिलरखाल में एकत्रित हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि शहर कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। समस्याओं के निस्तारण को लेकर प्रशासन लापरवाही दिखा रहा है। कहा कि कोटद्वार से भाबर क्षेत्र को जोडने वाले मालन पुल को ढ़हे लंबा समय बीत गया है। भाबर वासियों को अपने गंतव्य स्थान तक जाने के लिए वैकल्पिक मार्गो का सहारा लेना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्गो से आवागमन करने पर भी जोखिम बना हुआ है, लेकिन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई पहल नहीं हुई है। लालढ़ांग- चिलरखाल मोटर मार्ग के साथ ही कोटद्वार में मेडिकल कालेज की स्थापना अभी तक नहीं हो पाई है। साथ ही कोटद्वार विधान सभा के लिए की गई घोषणाएं भी धरातल पर नहीं उतर पाई हैं। इस कारण पूर्व सैनिकों सहित आम जन में आक्रोश है। चेतावनी दी कि शहर की समस्याओं का शीघ्र समाधान न होने पर आंदोलन को उग्र किया जायेगा।

गढ़वाल विवि में दो दिवसीय सिक्योरिंग रिसर्च फंडिंग कार्यशाला का शुभारम्भ

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्विद्यालय के चौरास परिसर स्थित एकेडमिक एक्टिविटी केंद्र में दो दिवसीय इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल और रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल द्वारा सिक्योरिंग रिसर्च फंडिंग पर कार्यशाला का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय पेट्रोलियम संस्थान देहरादून के निदेशक डॉ. हरेन्द्र सिंह बिष्ट रहे। शुभारंभ अवसर पर डॉ बिष्ट ने अनुसंधान के लिए अनुदान प्राप्त करने की संभावनाओं में सभी तकनीकी संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा की रिसर्च की समस्याओं के महत्व पर जोर दिया जाय। कहा कि किसी भी शोधकर्ता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह संबंधित रिसर्च प्रॉब्लम की पहचान करने में अपना कितना समय दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि क्या शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले अनुसंधान प्रस्ताव सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से उपयुक्त हैं या नहीं। साथ ही कार्यशाला में एनआईटी श्रीनगर के रजिस्ट्रार डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी अति विशिष्ठ अतिथि रहे। इस दौरान उन्होंने पेटेंट और बौद्धिक संपत्ति के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने जी आई टैगिंग की अवधारिता पर ज़ोर देते हुए कहा की शोधकर्ताओं को स्थानीय उत्पादन के बारे में जागरूक होना चाहिए और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामाजिक सहयोग की शुरुआत करनी चाहिये।इस मौके पर इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल और रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के रोहित महर, सुरेन्द्र पुरी, भुपेन्द्र कुमार, साकेत भारद्वाज, मनीषा निगम, विवेक शर्मा, गौरव जोशी मौजूद रहे।

विद्याधर जुयाल संस्कृत भुवनेश्वरी बना ऑल ओवर चैम्पियन

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीकोट स्थित सीडीएस विपिन रावत स्टेडियम में चल रही पंचम जनपद स्तरीय संस्कृत छात्र क्रीड़ा प्रतियोगिता में 31 अंकों के साथ ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत उत्तर माध्यमा विद्यालय भुवनेश्वरी पौड़ी आल ओवर चैम्पियन बनी। जबकि 29 अंक के साथ श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर माध्यमा विद्यालय श्रीनगर उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर आयोजित कनिष्ठ और वरिष्ठ 100 मी. दौड़ में संस्कृत विद्यालय भुवनेश्वरी चैधार रीठाखाल के अनुराग पोखरियाल और ब्रिगेडियर विद्याधर जुयाल संस्कृत विद्यालय के अखिलेश मंमगाई ने प्रथम, 400 मी. दौड़ में संस्कृत विद्यालय चैधार रीठाखाल के वंश चौधरी और ज्वालपाधाम संस्कृत विद्यालय के सूरज गोदियाल ने प्रथम, 1500 मी. दौड़ में ब्रिगेडियर विद्याधर संस्कृत विद्यालय सितोल्स्यू पौड़ी के आयुष बलूनी, लम्बी कूद में चैधार के अनुराग, रूद्रसूक्त मेन ज्वालपा देवी के राहुल, बालीबॉल में स्वर्गाश्रम ट्रस्ट संस्कृत विद्यालय ने प्रथम स्थान किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि रोटरी क्लब के अध्यक्ष राहुल कपूर ने विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।